www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 52 | जौनपुर, बुधवार, 07 अक्टूबर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मध्य प्रदेश के कम बारिश वाले क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज घोषित करे सरकार- जीतू पटवारी

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर–उज्जैन सहित कई जिलों में कम बारिश हुई है, जिसका असर फसल पर पड़ा है। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य सरकार से वैज्ञानिक तौर पर सर्वेक्षण कराने के साथ किसानों के लिए राहत पैकेज घोषित करने की मांग की है।शहर खोजें मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर कम वर्षा वाले सभी क्षेत्रों का तहसीलवार वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने तथा प्रभावित क्षेत्रों के किसानों के लिए तत्काल राहत पैकेज घोषित करने की मांग की है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि इस वर्ष बारिश बेहद असमान रही है। इंदौर–उज्जैन सहित प्रदेश के कई जिलों में सामान्य से काफी कम वर्षा हुई है। इसका सीधा असर खेती की नमी, खरीफ फसल, जलस्त्रोतों और आगामी रबी फसल पर पड़ने की आशंका है। पटवारी ने कहा कि सरकार वर्षा के साथ फसल, मिट्टी की नमी, जलस्त्रोत एवं भूजल की वास्तविक स्थिति का आकलन कर प्रभावित क्षेत्रों को सूखा प्रभावित घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की मांग है कि फसल नुकसान का तहसीलवार सर्वे कर नुकसान के अनुपात में प्रति हेक्टेयर मुआवजा दिया जाए। प्रभावित किसानों के फसल बीमा दावों का तत्काल निपटारा कर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की नहीं मिली अनुमति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। सीजेपी के सह–संयोजक सौरव दास ने बुधवार को संसद मार्ग थाने पहुंचकर दिल्ली पुलिस को प्रस्तावित प्रदर्शन की औपचारिक सूचना दी। पार्टी का कहना है कि यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किया जाएगा। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया है।प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने के बाद सौरव दास ने जंतर–मंतर जैसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की अनुमति की जरूरत पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि पुलिस की जिम्मेदारी प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा, कानून–व्यवस्था और यातायात व्यवस्था संभालना होना चाहिए। दास ने कहा कि जंतर–मंतर लंबे समय से विरोध प्रदर्शनों के लिए निर्धारित स्थल रहा है। ऐसे में उनका तर्क है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए आयोजकों को केवल प्रशासन को सूचना देने और निर्धारित नियमों का पालन करने की आवश्यकता होनी चाहिए। हालांकि, दिल्ली पुलिस की ओर से प्रदर्शन की अनुमति नहीं दिए जाने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में अब 10 अक्टूबर के कार्यक्रम को लेकर आयोजकों और प्रशासन के बीच आगे क्या स्थिति बनती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 अक्टूबर 2026 को सुबह लगभग 10 बजे नई दिल्ली के यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के 10वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। वे इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह कार्यक्रम 7 से 10 अक्टूबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह कार्यक्रम 7 से 10 अक्टूबर तक चलेगा। आईएमसी 2026 का विषय "सीमाओं से परे विस्तार" है, जो डिजिटल नवाचार, अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी और प्रौद्योगिकी–आधारित विकास में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है। आईएमसी 2026 के चार प्रमुख स्तंभ होंगे दृ सृष्टिरू भविष्य का निर्माणय संवर्धनरू विकास को गति देनाय सशक्तरू अवसरों का विस्तारय और सुरक्षारू विश्वास का सुदृढ़ीकरण। यह नवाचार और अगली पीढ़ी के डिजिटल बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी–आधारित आर्थिक विकास, समावेशी डिजिटल पहुंच और सुरक्षित एवं गतिशील डिजिटल इकोसिस्ट्म के विकास पर केंद्रित होगा। आईएमसी 2026 वैश्विक रूप से प्रौद्योगिकी से जुड़े अग्रणी व्यक्तियों, नीति निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स, निवेशकों और नवोन्मेषकों को एक साथ लाएगा ताकि डिजिटल इकोसिस्ट्म में उभरते अवसरों का पता लगाया जा सके। 2026 संस्करण में नौ स्थापित प्रमुख सेक्ट्ररों को शामिल किया जाएगा, जिनमें 5ळ और 6ळ, अगली पीढ़ी के एआई नेटवर्क, सेमीकंडक्टर, गैर–स्थलीय नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, क्वांटम कम्प्युनिकेशन, उद्यम परिवर्तन, चक्रीय अर्थव्यवस्था और ईएसजी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण शामिल हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और स्विट्जरलैंड ने निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अपने सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया है। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन से मुलाकात की और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के बीच भारत और स्विट्जरलैंड के साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर विचार–विमर्श हुआ। बैठक में विशेष रूप से द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर जारी बातचीत को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। दोनों देशों का मानना है कि इस समझौते से निवेश प्रवाह बढ़ेगा और आर्थिक साझेदारी को नई गति मिलेगी। इससे पहले, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और स्विस राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के बीच भी महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों पक्षों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में लंबे समय से जारी सहयोग को अधिक संरचित और दीर्घकालिक स्वरूप देने पर सहमति जताई। बैठक में उभरती प्रौद्योगिकियों और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए संस्थागत सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को रणनीतिक साझेदारी के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से अंतरविषयक और मिशन मोड दृष्टिकोण अपना रहा है।

पीएम मोदी के 25 वर्ष के जनसेवा पर अमित शाह ने की सराहना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने बुधवार को गुरुग्राम में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सभा–सेवा ज्योति यात्रा' को संबोधित करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दिन है। शाह ने कहा कि साधारण परिवार से निकलकर अपनी क्षमता, नेतृत्व और जनसमर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे किए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि करोड़ों लोगों को साथ लेकर लंबे समय तक शासन के शीर्ष पर बने रहना भारतीय राजनीति में उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 25 वर्ष तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने का रिकॉर्ड बनाया है। शाह ने कहा कि जब भी भारत का इतिहास लिखा जाएगा, प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के ये 25 वर्ष स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 25 वर्षों में गरीबी से मुक्ति, सुरक्षित भारत, धारा 370 हटाने, नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई, राम जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण, इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और करोड़ों गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने जैसे कई महत्वपूर्ण पड़ाव सामने आए हैं।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के अगले प्रमुख नियुक्त किए गए एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। वायुसेना प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा के बाद हुई इस मुलाकात में रक्षा मंत्री ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। एयर मार्शल दीक्षित वर्तमान में वायुसेना के उपप्रमुख हैं और 31 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के प्रमुख का पद संभालेंगे। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख होंगे। वह मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे, जो 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होंगे। केंद्र सरकार ने एयर मार्शल दीक्षित को भारतीय वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया है। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को करीब चार दशक का सैन्य अनुभव है। अपने लंबे करियर के दौरान वह विभिन्न अभियानों और सैन्य अभ्यासों में शामिल रहे हैं। इनमें ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर प्रमुख हैं। वायुसेना उपप्रमुख बनने से पहले वह एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख और केंद्रीय वायु कमान के वायु अधिकारी कमांडिंग–इन–चीफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। एयर मार्शल दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन मिला था। वह अनुभवी लड़ाकू विमान पायलट हैं और उन्होंने मिराज–2000, मिग के विभिन्न संस्करण, एचपीटी–32, एएन–32, एवरो, किरण, जगुआर, आईएल–78, हॉक और तेजस सहित कई प्रकार के विमानों का संचालन किया है। वह एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं। एयर मार्शल दीक्षित के पास संचालन, प्रशिक्षण और उच्च स्तर के सैन्य नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए उन्होंने वायुसेना की परिचालन क्षमताओं और प्रशिक्षण से जुड़े क्षेत्रों में जिम्मेदारियां संभाली हैं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव से भक्तिमय हुआ नोएडा, नंदोत्सव में झूमे श्रद्धालु

वामन अवतार और श्रीराम चरित्र के प्रसंगों ने दिया धर्म, मर्यादा और कर्तव्य का संदेश

ब्यूरो चीफ ध्सत्य प्रकाश उपाध्याय

नोएडा। सेक्टर–33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में भारत विकास परिषद, नोएडा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथा पंडाल श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की भक्ति और उल्लास से सराबोर हो गया। कथा व्यास आचार्य मृदुल कांत शास्त्री महाराज ने वामन अवतार, श्रीराम चरित्र और भगवान श्रीकृष्ण जन्म के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

आचार्य मृदुल कांत शास्त्री ने भगवान विष्णु के वामन अवतार की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान के प्रत्येक अवतार का उद्देश्य धर्म की स्थापना और अधर्म का विनाश करना है। वहीं, श्रीराम चरित्र के माध्यम से उन्होंने मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्य के महत्व को रेखांकित किया।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आते ही कथा स्थल का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ श्रीकृष्ण जन्म का उत्सव मनाया। इसके बाद आयोजित भव्य नंदोत्सव में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भजन और मंगलगीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और पूरा पंडाल 'नंद के घर आनंद भयो' के जयघोष से गूंज उठा। कथा व्यास ने पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत श्रवण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा मनुष्य को भक्ति के साथ संस्कार, सदाचार और सकारात्मक जीवन का मार्ग दिखाती है। श्रद्धा और भाव के साथ कथा श्रवण करने से मन को शांति मिलती है और जीवन को सकारात्मक दिशा प्राप्त होती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रामप्रसाद, त्रिपुरा विधानसभा के स्पीकर एवं मिजोरम के पूर्व गृहमंत्री तथा भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कथा व्यास आचार्य मृदुल कांत शास्त्री का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता एवं श्रीमती रीना गुप्ता रहे।

भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की गई है। कथा के उपरांत प्रतिदिन भंडारा एवं प्रसाद वितरण भी किया जा रहा है।

कार्यक्रम में परिषद के सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, महिला सहभागिता संयोजिका सुनीता मित्तल, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. टी.एन. गोविल, शाखा संरक्षक प्रताप मेहता, सीए महेश बाबू गुप्ता, विपिन मल्हन, केशव गंगल, एन.के. अग्रवाल, रामरतन शर्मा, राकेश कत्याल, पंकज जिंदल, डॉ. नरेश शर्मा, मुकुल वाजपेयी सहित परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पंजाब सीएम के कैंप ऑफिस पर सीबीआई रेड को केजरीवाल ने भाजपा की बौखलाहट बताया

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चंडीगढ़ स्थित कैंप ऑफिस पर सीबीआई की छापेमारी के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने इसे भाजपा की चुनावी साजिश बताया है तो वहीं सीबीआई ने हाईकोर्ट के निर्देश पर एफआईआर और तलाशी की पुष्टि की। समाचार पढ़ें आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट किया, ष्चुनाव से दो महीने पहले पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय पर सीबीआई की रेड भाजपा की बौखलाहट का नतीजा है। जब से सेंटर में भाजपा की सरकार आई है उसने पंजाबियों के साथ हमेशा ही धोखा किया है, चाहे किसान आंदोलन हो, पंजाब के पानी का मुद्दा हो या पंजाब यूनिवर्सिटी का मुद्दा हो और अब तो उनके चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ भी धोखा कर रही है।ष्उन्होंने कहा, ष्भाजपा चुनाव लड़कर पंजाब में जीत नहीं सकती तो ईडी–सीबीआई के सहारे चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन पंजाबियों ने अपना मन बना लिया है और भाजपा के सीबीआई रेड का जवाब आने वाले चुनाव में भगवंत मान को 100 से अधिक सीटों से जिताकर देंगे।ष इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी श्एक्सश पर लिखा, ष्भाजपा ने पंजाब चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। मेरे कैंप ऑफिस पर सीबीआई का छापा पड़ा। अब पंजाब सरकार और मुझे बदनाम करने के लिए पंजाब में ईडी और सीबीआई का गलत इस्तेमाल किया जाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी के जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा के 25 वर्ष पूरा होने पर सहादतगंज से निकली सेवा ज्योति पदयात्रा

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को सहादतगंज स्थित फॉरएवर लॉन से सेवा ज्योति पदयात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ सेवा ज्योति प्रज्वलित कर किया गया।इससे पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का कार्यकर्ताओं ने लाइव प्रसारण के माध्यम से श्रवण किया।यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। विभिन्न मार्गों से होते हुए पदयात्रा रामपथ स्थित गरुड़ द्वार पहुंची।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सेवा, जनकल्याण और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।इस मौके परभाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा कि भाजपा के लिए राजनीति सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सेवा और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने महानगर के किसी प्रमुख चौराहे का नाम 'सेवा ज्योति चौराहा' रखने का सुझाव दिया।यात्रा में प्रदेश मंत्री एवं महानगर प्रभारी शिव भूषण सिंह, विधान परिषद सदस्य एवं जिला प्रभारी अनूप गुप्ता, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक रामचंद्र यादव, अमित सिंह चौहान, चंद्रभान पासवान, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू, धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संपादकीय

ट्रंप की बेबाकी काबिल–ए–गौर

ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जो कमजोर है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए! डॉनल्ड ट्रंप की बेबाकी काबिल–ए–गौर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा– श्बीते जनवरी में मेरे निर्देश पर अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी के अंदर तक जाकर जबरदस्त सैन्य कार्रवाई की।ज् यह युद्ध था। (पराजित पक्ष) का सारा माल विजेता का हो जाता है।य इसके पहले कह चुके थे कि पिछले महीने अमेरिका ने वेनेजुएला के साथ श्इतिहास का सबसे बड़ा तेल सौदाय किया। विश्लेषकों ने इस बयान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया है। वैसे ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान और क्यूबा को लेकर भी धमकी भरी ऐसी बातें कहीं, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर की विभिन्न धाराओं की धज्जी उड़ाती मालूम पड़ीं। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर जाकर इस विश्व संस्था की बेकद्री करने की ऐसी मिसाल इसके पहले शायद ही मिलेगी! लेकिन यही ट्रंप की पहचान है। वे खुद को और अमेरिका को किसी नियम–कायदे, संधि और मर्यादा से बंधा नहीं मानते। संभवतरू वे सिर्फ एक सिद्धांत जानते हैं– और वह है शक्ति। यानी जिसके पास ताकत है, वही आदरणीय है। और इसकी ताजा मिसाल उन्होंने शी जिनपिंग के स्वागत के लिए सबसे अलग किस्म की श्लाल कालीन बिछा करय पेश की है। चीन के राष्ट्रपति की अमेरिका यात्रा (23–25 सितंबर) के दौरान ट्रंप ने प्रोटोकॉल से आगे जाकर स्वागत करने और चमकदार, भव्य आयोजनों का जो कार्यक्रम बनाया है, उसे देख कर शायद चीनी विश्लेषक भी हैरत में पड़ेंगे! जब अमेरिका और चीन की होड़ भू–राजनीति के सारे समीकरणों के केंद्र में है, ट्रंप के शी के प्रति इस झुकाव का तर्क अमेरिकियों को भी समझ में नहीं आया है। इसकी तुलना सिर्फ चार महीने पहले ट्रंप की हुई बीजिंग यात्रा से की गई है, जब चीन ने प्रोटोकॉल के अनुरूप ही उनका स्वागत किया था। वैसे, ट्रंप– शी की द्विपक्षीय आधिकारिक वार्ता से ज्यादा कुछ हासिल होगा, इसकी संभावनाएं भी कम ही हैं। मगर ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जिसके पास ताकत नहीं है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए!

एसआईआर के विरोध में चौतरफा आंदोलन

राहुल गांधी ने चार महीने पहले मई में कहा था कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी। तब उनके बयान का खूब मजाक भाजपा ने बनाया था, क्योंकि उस समय भाजपा ने बंगाल, असम चुनावों में बड़ी जीत दर्ज की थी। लेकिन राहुल गांधी ये कहते रहे कि उन्हें सिस्टम के अंदर से खबरें मिल रही हैं, जो मोदी सरकार के खिलाफ हैं। फिर 30 सितंबर को भी राहुल गांधी ने कहा कि बहुत जल्द देश में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा। एक बार फिर राहुल की बात पर भाजपा ने खिल्ली उड़ाई, लेकिन दिल्ली से लेकर मुंबई और पूरे देश में जिस तरह मोदी सरकार के खिलाफ अपना विरोध जनता दिखा रही है, उसके बाद राहुल गांधी की बात ही सच होती दिख रही है। एसआईआर के मुद्दे पर ज्ञानेश कुमार को बचाने की जितनी कोशिश नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, उतना ज्यादा उनकी सरकार के गिरने का खतरा बढ़ रहा हैइंडिया गठबंधन ने 30 सितंबर की बैठक में ऐलान किया था कि देश भर में वोट चोरी के मुद्दे पर मोर्चा खोला जाएगा, इसके अलावा कॉकरोच जनता पार्टी ने भी मुंबई में 2 अक्टूबर को प्रदर्शन किया और 10 अक्टूबर से फिर से जंतर–मंतर पर बैठने की चेतावनी दी है, अभिजित दिपके ने तो साफ कहा है कि पुलिस उन्हें जहां रोकेगी, वहीं जंतर–मंतर बन जाएगा। इधर नागरिक समाज की तरफ से भी मोदी सरकार के खिलाफ विरोध तेज हो चुका है। शुक्रवार को गांधी जयंती पर नेहा बोरा, योगेन्द्र यादव, मनोज झा, संजय सिंह जैसे तमाम लोगों को पुलिस ने रोका, घसीटा, हाथों से उन पर वार किया, लेकिन उन्हें और उनके साथ खड़े हो चुके युवाओं को पुलिस नहीं रोक पाई। शनिवार को फिर जंतर–मंतर पर जबरदस्त प्रदर्शन देखने मिला।2024 से पहले का वक्त होता तो ऐसी चुनौतियों को मोदी–शाह हवा में उड़ा सकते थे, लेकिन इस बार मामला संगीन हो गया है। एक के बाद एक आंदोलन, धरने और प्रदर्शन चल ही रहे हैं। यह सब राहत दे रहे हैं कि देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए अब जनता ही उठ खड़ी हुई है। ज्ञानेश कुमार के कारण चुनाव आयोग की साख तो पूरी तरह मिट्टी में मिल ही चुकी है, खुद उनकी अपनी साख भी हमेशा के लिए बर्बाद हो गई है। अब से पहले कभी देश में चुनाव आयुक्त के पद पर बैठे व्यक्ति के लिए गद्दार, चोर, देशद्रोही जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया गया। चुनाव में गड़बड़ियों के आरोप कई बार लगे, विरोधी पार्टियों ने दबंगई करने, बूथ कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप भी एक दूसरे पर लगाए, लेकिन आरोपों का कीचड़ चुनाव आयोग पर कभी नहीं उछला। लेकिन मोदी–शाह और ज्ञानेश कुमार ने तो खुद को कीचड़ में सना दिया है। अब जनता जब इस कालिख पर ऊंगली उठा रही है तो चुनाव आयोग अपने फैसलों को पलट रहा है, मगर अब देर हो चुकी है। पूरे देश में एसआईआर रोकने की मांग तेज हो चुकी है और अपना वोट कटने से नाराज लाखों लोग सड़कों पर उतर गए हैं तो अब चुनाव आयोग अपने फैसलों को पलट रहा है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि मतदाता सूची में छूट गए लोगों और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं या युवा मतदाताओं का पंजीकरण करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाए। यानी पहले नाम काटे गए और अब जुड़वाने की कवायद आयोग करवा रहा है। इधर दिल्ली में चुनाव आयोग ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों यानी ईआरओ के लिए ईसीआईनेट पोर्टल में कुछ नए विकल्प जोड़े हैं। इन विकल्पों के बाद अब ईआरओ किसी नोटिस पाने वाले मतदाता को बिना दस्तावेज जमा कराए और कुछ मामलों में बिना सुनवाई तय किए भी अंतिम मतदाता सूची के लिए योग्य घोषित कर सकते हैं। पहले किसी नोटिस के बाद मतदाता को दस्तावेज जमा करने और सुनवाई की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। लेकिन इस पर काफी विवाद उठा था, तो अब आयोग ने फिर पलटी मारी है। जिस तरीके से चुनाव आयोग में फैसले लिए जा रहे हैं, उसे देखकर नोटबंदी और जीएसटी लागू करने का दौर याद आता है। तब भी ऐसे बार–बार नियम बदले गए थे, जिसमें जनता को तकलीफ हुई और देश को भी बड़े नुकसान हुए। आर्थिक नुकसान तो फिर भी किसी तरह पूरा किया जा सकता है, मगर एसआईआर के नाम पर करोड़ों लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया गया तो लोकतंत्र नहीं बचाया जा सकेगा, यह तय है।इस बीच वकीलों के संगठन लॉयर्स एसोसिएशन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के पांच पूर्व न्यायाधीशों के साथ एसआईआर की वैधता की जांच के लिए आयोग बनाया है। यह आयोग जांच करेगा कि चुनाव आयोग की एसआईआर की प्रक्रिया संविधान और कानून के अनुरूप है या नहीं और इससे पात्र मतदाताओं के अधिकारों पर क्या असर पड़ा। देशभर में जनसुनवाई, मतदाता सूची से नाम जोड़ने–काटने के आंकड़ों का विश्लेषण और कानूनी समीक्षा होगी। दिसंबर 2026 तक अंतिम रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा।

बुआ मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को वापस बुलाया या राजनीतिक जाल में फंसा दिया

नीरज

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पर्दे के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी–सी है कि भतीजे ने माफी मांगी, बुआ ने माफ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की? असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी? याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी दरवाजा बंद नहीं किया। निषाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस भतीजे को मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहीं से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था। क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खतरा यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर लेते, युवा दलितों के बीच अपनी पहचान बना लेते और धीरे–धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजूद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ "मायावती के भतीजे" नहीं रहते। वह अपने आप में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यही वह चीज है जो शायद मायावती को सबसे ज्यादा खटकती। देखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। कभी जिस पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मैदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या सपा–कांग्रेस गठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी। ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बनाने लगता, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कोर वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कोर वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग–अलग बातें हैं। मुमकिन है कि मायावती ने इसी खतरे को भांप लिया हो। उन्हें लगा हो कि अगर आकाश दूसरे दल में चले गए और वहां युवा दलित राजनीति का नया चेहरा बन गए तो बसपा के सामने सिर्फ एक नेता के जाने का संकट नहीं होगा, बल्कि नेतृत्व की अगली पीढ़ी का विकल्प भी पार्टी के बाहर तैयार हो जाएगा। बसपा अगर अभी शून्य पर खड़ी दिखाई दे रही है तो आकाश का किसी दूसरे राजनीतिक मंच पर जाकर मजबूत होना इस शून्य को डबल शून्य में बदल सकता है। इसलिए भतीजे को वापस बुलाना जरूरी समझा गया। लेकिन यहां कहानी में एक और पेंच है। आकाश को सिर्फ वापस नहीं बुलाया गया, उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया। सुनने में यह बड़ा सम्मान है, लेकिन राजनीति में हर सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी आती है। आकाश को अब जो जिम्मेदारी मिली है, वह आसान नहीं है। खासकर तब, जब सामने 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव खड़ा है। अब अगर बसपा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है तो मायावती की रणनीति सफल कही जाएगी और आकाश आनंद को इसका फायदा भी मिलेगा। लेकिन अगर बसपा का प्रदर्शन फिर कमजोर रहा तो सवाल सिर्फ मायावती से नहीं होगा। सवाल आकाश से भी होगा। आखिर राष्ट्रीय संयोजक किसलिए बनाए गए थे? संगठन को मजबूत करने के लिए या सिर्फ पद की शोभा बढ़ाने के लिए? युवा वोटरों को बसपा से जोड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी? चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने का काम कौन कर रहा था? यानी मायावती ने आकाश को वापस लाकर उन्हें एक ऐसी जिम्मेदारी दे दी है जिसमें सफलता का श्रेय तो मिलेगा ही, लेकिन असफलता का ठीकरा भी सिर पर फूट सकता है। यही वह जगह है जहां सवाल उठता है कि कहीं यह आकाश आनंद की राजनीतिक ब्रांड वैल्यू को मजबूत करने की बजाय धीरे–धीरे खत्म करने की रणनीति तो नहीं? क्योंकि मान लीजिए 2027 में बसपा फिर चुनावी तौर पर कोई खास कमाल नहीं कर पाती। तब आकाश आनंद के पास क्या बचेगा? वह किसी दूसरी पार्टी में जाकर यह भी नहीं कह सकते कि उन्हें बसपा में मौका नहीं मिला था। मौका मिला, राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया, संगठन की जिम्मेदारी दी गई और फिर भी पार्टी चुनाव नहीं जीत सकी। ऐसे में दूसरे दलों के लिए आकाश को अपने साथ लेना उतना आकर्षक नहीं रह जाएगा। यानी जिस समय वह बसपा से बाहर थे, उस समय दूसरे दल उन्हें अपने यहां लाने की संभावनाएं तलाश रहे थे। लेकिन अब वह बसपा के राष्ट्रीय संयोजक हैं। अगर बसपा फिर कमजोर प्रदर्शन करती है तो वही दूसरे दल शायद यह सोचें कि जिस नेता को अपनी पार्टी संभालने का मौका मिला और वह उसे नहीं उठा पाया, उसे अपने यहां लाकर क्या हासिल होगा? देखा जाये तो राजनीति में इसे बहुत बारीक तरीके से समझना होगा। मायावती ने आकाश को बाहर जाने से तो रोक लिया, लेकिन साथ ही उन्हें बसपा की किस्मत से बांध भी दिया। अब आकाश की राजनीतिक कामयाबी और बसपा की राजनीतिक कामयाबी एक–दूसरे से अलग नहीं रह सकतीं। इसके अलावा, यहां एक सवाल मायावती से भी पूछा जाना चाहिए। मायावती की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान ही परिवारवाद के खिलाफ लड़ाई रही है। कांशीराम ने परिवार की राजनीति नहीं की। उन्होंने मायावती जैसे कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया। मायावती ने भी लंबे समय तक यही संदेश दिया कि बसपा किसी एक परिवार की पार्टी नहीं, बल्कि बहुजन समाज की पार्टी है। लेकिन अब पिछले कुछ समय से बसपा के भीतर परिवार के सदस्यों की भूमिका लगातार चर्चा में है। आकाश आनंद को पहले आगे किया गया। फिर हटाया गया।

स्विट्जरलैंड के साथ रिश्तों को नई ऊंचाई देकर मोदी ने यूरोप में चली बड़ी कूटनीतिक चाल

नीरज

दुनिया के बदलते सामरिक और आर्थिक समीकरणों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति लगातार भारत की वैश्विक पहुंच को नए आयाम दे रही है। इसी व्यापक कूटनीतिक रणनीति की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्विट्जरलैंड के साथ संबंधों

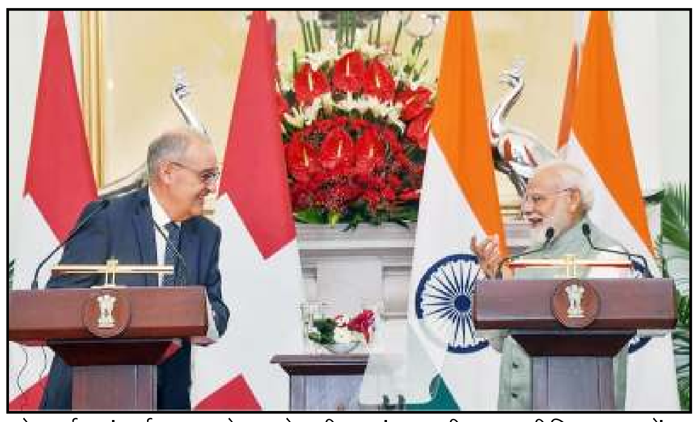

को नई ऊंचाई तक ले जाने की दिशा में आज एक अहम कदम सामने आया। स्विस राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने प्रवास एवं गतिशीलता, युवा पेशेवरों, परिवहन प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार और स्टार्टअप सहयोग से जुड़े पांच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। व्यापार और निवेश से आगे बढ़कर रक्षा उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान, उन्नत प्रौद्योगिकी और वैश्विक कूटनीति तक साझेदारी का विस्तार यह संकेत देता है कि भारतदृस्विट्जरलैंड संबंध अब एक नए रणनीतिक चरण में प्रवेश कर रहे हैं और मोदी की सक्रिय कूटनीति ने यूरोप के इस महत्वपूर्ण देश के साथ भारत की साझेदारी को जिस तेजी से व्यापक बनाया है, उसने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों का ध्यान खींचा है। प्रधानमंत्री मोदी और गाइ पार्मेलिन की मुलाकात का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भारत और स्विट्जरलैंड अब अपने रिश्ते को बहु–आयामी रणनीतिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हैदराबाद हाउस में मोदी और पारमेलिन ने व्यापार एवं निवेश, एआई, नवाचार, रक्षा उत्पादन और सैन्य आदान–प्रदान, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान–प्रौद्योगिकी तथा लोगों के बीच संपर्क सहित पूरे संबंधों की समीक्षा की। देखा जाये तो आर्थिक मोर्चे पर भारतदृईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता इस रिश्ते की रीढ़ बनकर उभरा है। यह समझौता अक्टूबर 2025 में लागू हुआ था और स्विट्जरलैंड इसे भारतीय बाजार में स्विस कंपनियों की पहुंच और निवेश के लिए अधिक निश्चितता देने वाला करार मानता है। स्विट्जरलैंड के अनुसार भारत एशिया में उसका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और देश में 330 से अधिक स्विस कंपनियां सक्रिय हैं। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते के जरिए अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। भारतीय कृषि उत्पादों, औषधियों, वस्त्रों और इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए स्विस बाजार में अवसर बढ़ाने के साथ भारत जैव–प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में स्विस निवेश आकर्षित करना चाहता है। लेकिन इस साझेदारी का असली रणनीतिक विस्तार रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में दिखाई देता है। दोनों पक्षों ने सैन्य आदान–प्रदान और रक्षा उत्पादन में नए अवसर तलाशने तथा परमाणु ऊर्जा सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई है। यह संकेत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि स्विट्जरलैंड की उच्च तकनीकी औद्योगिक क्षमता और भारत की बढ़ती रक्षा विनिर्माण महत्वाकांक्षा मिलकर नए तकनीकी और औद्योगिक सहयोग के रास्ते खोल सकती हैं। साथ ही दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे में भी सहयोग अब जमीन पर दिखाई दे रहा है। वाराणसी रोपवे, नोएडा के जेवर हवाई अड्डे और पर्वतीय क्षेत्रों में रेलवे तथा सुरंग परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने परिवहन, गतिशीलता और आधारभूत ढांचे पर नए समझौते को आगे की साझेदारी का आधार बताया। समझौते में विद्युत वाहन, रोपवे, परिपत्र अर्थव्यवस्था, सुरंग और टिकाऊ परिवहन प्रणालियों पर सहयोग शामिल है। साथ ही विज्ञान और नवाचार इस रिश्ते की दूसरी बड़ी धुरी बन रहे हैं। भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्विस राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान के बीच समझौता दीर्घकालिक संयुक्त अनुसंधान का ढांचा तैयार करेगा। स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में नए संयुक्त शोध की शुरुआत भी प्रस्तावित है। ज्यूरिख विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान के साथ समझौते के जरिए शुरुआती चरण के भारतीय स्टार्टअप को प्रशिक्षण, तकनीकी हस्तांतरण, कार्यशालाओं और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग का अवसर मिलेगा। मानव संसाधन के मोर्चे पर भी बड़ा बदलाव हुआ है। प्रवास एवं गतिशीलता साझेदारी के तहत पांच वर्ष तक वैध बहु–प्रवेश वीजा और प्रत्येक यात्रा में छह महीने तक ठहरने की सुविधा का प्रावधान है। छात्रों के लिए नवीकरणीय एक–वर्षीय अनुमति भी शामिल है। वहीं युवा पेशेवरों के आदान–प्रदान समझौते के तहत हर वर्ष दोनों देशों से 300–300 युवा पेशेवर भेजे जा सकेंगे, जिसे बढ़ाकर 500 तक किया जा सकता है। इसका उद्देश्य युवाओं को काम के साथ पेशेवर और भाषाई कौशल विकसित करने का अवसर देना है। यह समझौता प्रतिभा, तकनीक और पूंजी, तीनों को एक ही गलियारे में जोड़ता है। भारत को वैश्विक प्रतिभा और नवाचार नेटवर्क में प्रवेश मिलता है, जबकि स्विट्जरलैंड को भारत के विशाल प्रतिभा और बाजार आधार से जुड़ने का अवसर मिलता है। इसके अलावा, दोनों देशों ने आगामी भारतदृस्विस अनुसंधान प्रमुख कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की भी घोषणा की है। साथ ही वैश्विक शांति, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार की जरूरत पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई है। यूक्रेन और पश्चिम एशिया जैसे संकटों पर भारत ने हर सार्थक शांति प्रयास के समर्थन की अपनी नीति दोहराई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इस रिश्ते का अगला मोर्चा है। भारत में 2026 के एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन के बाद स्विट्जरलैंड अगले चरण में जिनेवा एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दोनों देशों की कोशिश जिम्मेदार, समावेशी और मानव–केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए सहयोग बढ़ाने की है। साफ है कि यह यात्रा केवल पांच समझौतों की कहानी नहीं है। इसके पीछे भारत की रणनीति यूरोप में व्यापार, निवेश, उन्नत तकनीक और विश्वसनीय आपूर्ति शृंखलाओं के नए केंद्रों से संबंध मजबूत करने की है, जबकि स्विट्जरलैंड भारत को अपने एशियाई आर्थिक और तकनीकी विस्तार के महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देख रहा है। 7 अक्टूबर का भारतदृईएफटीए 'प्रॉस्पेरिटी समिट' इस पूरी कवायद को निवेश और कारोबारी परियोजनाओं में बदलने की अगली परीक्षा होगा। बहरहाल, रणनीतिक तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट है। भारतदृस्विट्जरलैंड संबंध अब घड़ियों, पर्यटन और बैंकिंग की पारंपरिक छवि से बाहर निकलकर रक्षा उत्पादन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप और वैश्विक कूटनीति के नए मैदान में प्रवेश कर चुके हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य कवरेज की ओर अग्रसर

आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी–पीएमजेएवाई) देश की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निरूशुल्क और कैशलेस अस्पताल उपचार उपलब्ध कराया जाता है। योजना की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर 21 सितंबर 2026 तक देश की लगभग 33 प्रतिशत आबादी यानी 48.51 करोड़ से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं, 31 अगस्त 2026 तक योजना के तहत 13.25 करोड़ से अधिक अस्पताल दाखिलों के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये की राशि का वित्तपोषण किया जा चुका है। एबी–पीएमजेएवाई के तहत देशभर के 38 हजार से अधिक सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से लाभार्थियों को द्वितीयक और तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना का उद्देश्य गंभीर बीमारी और महंगे उपचार के कारण परिवारों को आर्थिक संकट और भारी चिकित्सा ऋण से बचाना है। भारत सरकार ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए 23 सितंबर 2018 को आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं में 1,961 उपचार प्रक्रियाओं के लिए कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। आयुष्मान भारत के तहत एबी–पीएमजेएवाई के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम–अभिम) मिलकर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यापक आधार प्रदान कर रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर अस्पताल में उपचार, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक स्वास्थ्य अवसंरचना तक स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है। सरकार ने मार्च 2024 में एबी–पीएमजेएवाई का विस्तार करते हुए मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को योजना में शामिल किया था। 21 सितंबर 2026 तक इन वर्गों के लिए 44.81 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा 11 सितंबर 2024 को योजना का विस्तार 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों तक किया गया। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिला है। 21 सितंबर 2026 तक 1.36 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके हैं। ग्रामीण और शहरी गरीबों को लक्षित कवरेज योजना के पात्र लाभार्थियों की पहचान सामाजिक–आर्थिक और जाति जनगणना–2011 में निर्धारित अभाव और व्यावसायिक मानदंडों के आधार पर की जाती है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत पहले से शामिल परिवार भी आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवार पात्र हैं जिनके पास कच्ची दीवार और कच्ची छत वाला केवल एक कमरा है, जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क सदस्य नहीं है, महिला मुखिया वाले परिवार जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क पुरुष सदस्य नहीं है, दिव्यांग सदस्य वाले ऐसे परिवार जिनमें कोई सक्षम वयस्क सदस्य नहीं है, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार तथा भूमिहीन परिवार जिनकी आय का प्रमुख स्रोत दिहाड़ी मजदूरी है। शहरी क्षेत्रों में कूड़ा बीनने वालों, भिखारियों, घरेलू कामगारों, सड़क पर सामान बेचने वालों, मोचियों, फेरीवालों, निर्माण श्रमिकों, प्लंबर, राजमिस्त्री, मजदूरों, पेंटर, वेल्डर, सुरक्षा गार्ड, कुली, सफाईकर्मियों, माली, कारीगरों, दर्जियों, परिवहन श्रमिकों, चालकों, परिचालकों, रिक्शा चालकों, दुकान कर्मचारियों, डिलीवरी सहायकों, वेटरों, बिजली मिस्त्रियों, मैकेनिकों, धोबियों और चौकीदारों सहित विभिन्न श्रमिक वर्गों को पात्रता दी गई है। सरकार ने विभिन्न विशेष पहलों के माध्यम से योजना का दायरा और व्यापक किया है। भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक और उनके आश्रित, पीएम–राहत के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ित, स्माइल पहल के तहत पात्र ट्रांसजेंडर व्यक्ति, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के पात्र बच्चे, नमस्ते योजना के तहत पहचाने गए कचरा बीनने वाले और सफाईकर्मी तथा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को भी स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। योजना के प्रभाव का उदाहरण हरियाणा के जींद जिले की 65 वर्षीय बीरमती का मामला है। उनके जांघ की हड्डी के ऊपरी हिस्से, जिसे फीमर की गर्दन कहा जाता है, में गंभीर फ्रैक्चर हो गया था। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से उन्हें जिला आर्थोपेडिक एवं मातृत्व अस्पताल में 44,140 रुपये मूल्य का उपचार और समय पर सर्जरी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई गई। इस तरह की सहायता आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है। एबी–पीएमजेएवाई केंद्र प्रायोजित योजना है। अधिकांश राज्यों में केंद्र और राज्य सरकार के बीच वित्तपोषण का अनुपात 60रू40 है। पूर्वोत्तर राज्यों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर में यह अनुपात 90रू10 है। बिना विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्र सरकार 100 प्रतिशत वित्तपोषण करती है, जबकि विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्र और केंद्रशासित प्रदेश के बीच 60रू40 के अनुपात में राशि साझा की जाती है। वर्ष 2026–27 के लिए योजना के तहत 9,500 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान अनुमानित है। सरकारी वित्तपोषण बढ़ने और निरूशुल्क तथा कम लागत वाली स्वास्थ्य योजनाओं के विस्तार से लोगों के अपनी जेब से होने वाले स्वास्थ्य खर्च में भी कमी आई है। आयुष्मान भारत का दूसरा प्रमुख स्तंभ आयुष्मान आरोग्य मंदिर है। इन केंद्रों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घरों और समुदायों के करीब पहुंचाया जा रहा है। मौजूदा स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत कर इन केंद्रों में बेहतर अवसंरचना, अतिरिक्त मानव संसाधन, आवश्यक दवाएं, जांच सुविधाएं और सूचना प्रौद्योगिकी व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा बीमारियों की जांच और उपचार, मुख स्वास्थ्य, नेत्र चिकित्सा, कान–नाक–गला संबंधी सेवाएं तथा मानसिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराई जाती है। प्राथमिक स्तर की आपातकालीन और दुर्घटना संबंधी देखभाल के साथ आवश्यक दवाएं और जांच भी निरूशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए आयुष आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी स्थापित किए जा रहे हैं। ये केंद्र आशा और अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता तथा रोगों की निगरानी के महत्वपूर्ण केंद्र बन गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नागरिक सरकार की दूरचिकित्सा सेवा श्ई–संजीवनीय के जरिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श ले सकते हैं। 17 सितंबर 2026 तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित विभिन्न केंद्रों पर 50 करोड़ से अधिक दूरचिकित्सा परामर्श किए जा चुके हैं।

'सेवा संकल्प अभियान के तहत विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' बुधवार को श्रीश चन्द्र बारात घर में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नयी दिल्ली में विकसित भारत संकल्प सभा कार्यक्रम में दिए गए सम्बोधन का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया। यह विशेष कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री जी के सार्वजनिक जीवन में सरकार के मुखिया (गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री) के रूप में 25 वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प

अभियान के तहत आयोजित किया गया। श्रीश चन्द्र बारात घर मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा सेवा ज्योति प्रज्वलित की गयी तथा सेवा ज्योति यात्रा भी निकाली गयी। यह यात्रा श्रीश चन्द्र बारात घर से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई शहीद उद्यान मे समाप्त हुई। शहीद उद्यान मे शहीद स्तम्भ पर सेवा ज्योति स्थापित की गयी, तथा सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली, माननीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग नितिन अग्रवाल, सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू, भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रभारी कमलेश मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र मधुर, भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी, माननीय जनप्रतिनिधि गण व बड़ी संख्या में आम जनमानस उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के विकास के लिए त्याग और समर्पण जरूरी - प्रो. आरके सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में बुधवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शिक्षकों एवं संविदा शिक्षकों की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श किया गया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि किसी भी संस्थान की पहचान वहां के विद्यार्थियों की उपलब्धियों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों से होती है। विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए शिक्षकों में टीम भावना, आपसी सहयोग और संस्थान के प्रति समर्पण जरूरी है। प्रत्येक शिक्षक को विश्वविद्यालय की उन्नति में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए समय की बाध्यता से परे जाकर कार्य करने, नई पहल करने और जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की आवश्यकता है। त्याग, समर्पण और निरंतर प्रयास से ही किसी संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के उपलब्ध संसाधनों का विद्यार्थियों के हित में अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा और विश्वविद्यालय के संसाधनों को उद्योग जगत से जोड़कर प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। इसके लिए उद्योगों, संस्थानों एवं व्यावसायिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जेपीएल के माध्यम से की जा रही पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण तैयार करना और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। छोटी–छोटी पहल बड़े बदलाव की नींव रखती हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में उत्साह, नवाचार और सहभागिता का वातावरण तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय का मजबूत विकास रोडमैप बनाया जाएगा। इसके लिए सभी विभागों से सुझाव और इनपुट लिए जाएंगे। प्राप्त सुझावों के आधार पर आयोजन एवं कार्ययोजना तैयार कर उसका प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने सभी शिक्षकों और विभागों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जा सकती है।

विश्व निवेशक सप्ताह के अंतर्गत प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्व निवेशक सप्ताह 05 से 11 अक्टूबर 2026 के अवसर पर 06 अक्टूबर 2026 को गोएल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत गोएल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, लखनऊ में एक विशेष निवेशक जागरूकता एवं प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, चिकित्सकों एवं संस्थान के कर्मचारियों को निवेश, प्रतिभूति बाजार, वित्तीय सुरक्षा तथा निवेशकों के अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में कॉलेज एवं हॉस्पिटल के शिक्षकों, चिकित्सकों तथा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्र में SEBI के प्रतिनिधि प्रदीप पाण्डेय ने प्रतिभागियों को भारतीय पूंजी बाजार की संरचना एवं निवेश के विभिन्न माध्यमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने शेयर बाजार में उपलब्ध विभिन्न प्रतिभूतियों, गोल्ड बॉन्ड, सोना एवं चांदी में निवेश, ETF प्राथमिक बाजार तथा अधिकृत निवेश सलाहकार/मध्यस्थों से जुड़कर सुरक्षित निवेश करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। श्री पाण्डेय ने प्रतिभागियों को Securities Market, इक्विटी मार्केट तथा निवेश से संबंधित विभिन्न जोखिमों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से (प्रतिरूपण), (अनधिकृत बाजार गतिविधियां) मुद्रास्फीति तथा निवेश के माध्यम से दीर्घकाल में बेहतर रिटर्न प्राप्त करने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान Investor Protection and Grievance Redressal अर्थात निवेशक संरक्षण एवं शिकायत निवारण की प्रक्रिया को भी समझाया गया। प्रतिभागियों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव, व्हाट्सऐप समूह न करने, व्हाट्सऐप आधारित लेन–देन में सावधानी बरतने तथा केवल अधिकृत एवं विश्वसनीय माध्यमों से निवेश करने के लिए जागरूक किया गया।

कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को न केवल निवेश के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी, बल्कि सुरक्षित, जागरूक एवं जिम्मेदार निवेशक बनने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रो. अविनाश चंद्र श्रीवास्तव, उप–प्रधानाचार्य प्रो. अखिलेश कुमार सिंह, डीन एकेडमिक प्रो. सुनील कुमार गुप्ता, एम.एस. प्रो. मिथिलेश वर्मा, प्रो. अरविंद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अमित शुक्ला, प्रो. अंकुश आहवाड़, प्रो. सुबोध अस्थाना, प्रो. रंजना राजपूत, प्रो. जॉली सक्सेना, प्रो. आलोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राकेश कुमार सिंह, प्रो. अवधेश बरनवाल . माधवी, डॉ. जयशीला, डॉ. गौरव, डॉ. अभिषेक, डॉ. प्रवीण, डॉ मधूलिका, डॉ गायत्री और इस कार्यक्रम के कॉर्डिनेटर डॉ अंकुर सक्सेना सहित अनेक शिक्षक एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

इसी विषय एवं प्रशिक्षण पर प्रदीप पाण्डेय ने हॉस्पिटल एवं कॉलेज के स्टाफ के साथ एक अन्य बैठक भी की। इस द्वितीय कार्यक्रम में प्रो. मिथिलेश वर्मा (एम.एस.), डॉ. सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव (डी.एम.एस.), डॉ. संदीप, डॉ. मयंक, डॉ. अनिमेष, सिस्टर पूनम, कनक, प्रतीक्षा, लवी, अंजू, मधुबाला, शालिनी, पुष्पा, क्षमा आदि ने सहभागिता की। दोनों बैठकों में कुल मिलाकर 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने "म्प" द्वारा प्रदान की गई निवेश संबंधी महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारी के लिए आभार व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण सत्र ने वित्तीय साक्षरता बढ़ाने, निवेशकों को सुरक्षित निवेश के प्रति जागरूक करने तथा समाज में जिम्मेदार निवेश संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

बंद कमरे में फंदे से लटका मिला युवक, मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। निगोहा थाना क्षेत्र के मस्तीपुर गांव में सोमवार को करीब 30 वर्षीय नन्हेंलाल पुत्र स्व. विश्राम ने घर के बंद कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घर का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे परिजनों और मौके पर मौजूद लोगों की मदद से खुलवाया गया। कमरे के अंदर नन्हेंलाल छत में लगे हुक से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया।पुलिस ने मौके पर आवश्यक पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। मौके पर शांति एवं कानून–व्यवस्था कायम है।

सतरिख रोड के पास अज्ञात युवक का शव मिला

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट थाना क्षेत्र में सतरिख रोड के पास सोमवार सुबह करीब 25 वर्षीय अज्ञात युवक मृत अवस्था में मिला। सुबह करीब छह बजे सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से युवक को डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय की मर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। मौके के निरीक्षण के दौरान मृतक के शरीर पर कोई जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले। पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा ने यूपी से राज्यसभा के लिए आठ उम्मीदवार घोषित किए

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के आगामी द्विवार्षिक चुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को प्रत्याशी बनाया है। उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होना है।घोषित सूची में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता राधाकांत ओझा, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल, पूर्व सांसद एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य विद्यासागर सोनकर, वरिष्ठ संगठनकर्ता गोपी कृष्ण पांडेय, पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत, भाजपा के प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं। धर्मपाल सिंह बरेली के आंवला से भाजपा विधायक हैं और उत्तर प्रदेश सरकार में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग से जुड़े मंत्री हैं। वह कई बार विधायक रह चुके हैं। प्रकाश पाल भाजपा के उत्तर प्रदेश ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और इससे पहले कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र में संगठन की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। राम प्रताप सिंह चौहान भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं और 2017 से 2022 तक आगरा की एत्मादपुर विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं।

रेड रन उत्तर प्रदेश–2026 में दौड़ेंगे 600 प्रतिभागी, सात अक्टूबर को होगा आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) और उत्तर प्रदेश स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में सात अक्टूबर को 'रेड रन उत्तर प्रदेश–2026' मैराथन का आयोजन किया जाएगा। बीबीएयू परिसर में होने वाले आयोजन की तैयारियां कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशा–निर्देशन में की जा रही हैं। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. पवन कुमार चौरसिया ने बताया कि मैराथन शहीद पथ की सर्विस लेन पर आयोजित होगी। इसका उद्देश्य युवाओं को एचआईवी–एड्स के प्रति जागरूक करने के साथ स्वस्थ जीवनशैली, फिटनेस और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित करना है। आयोजन में राज्य स्तर की 10 किलोमीटर दौड़ में करीब 100 प्रतिभागी, जबकि बीबीएयू और अन्य विश्वविद्यालयों के 17 से 25 वर्ष आयु वर्ग के करीब 500 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के लिए पंजीकरण निःशुल्क रखा गया है और सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को निःशुल्क किट उपलब्ध कराई जाएगी। विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को कुल 1.40 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिभागी सुबह 4ः30 बजे पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के मैदान में एकत्र होंगे। इसके बाद पंजीकरण, टी–शर्ट और चेस्ट नंबर वितरण किया जाएगा।

सपाइयों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर यूपी के जौनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने दीवानी चौराहे से कलेक्ट्रेट धरना स्थल तक करीब एक किलोमीटर पैदल मार्च किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' और 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाए। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह को सौंपा गया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाया जाए और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया रद्द की जाए। उन्होंने पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने, सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर देने तथा मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की। हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने और भविष्य में सभी चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग भी रखी। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। पुतला फूंकने के दौरान पुलिस से उनकी नोकझोंक हुई। एक कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार का रूप धारण कर सूट पहनकर प्रदर्शन स्थल पर पहुंचा। बाद में सपा कार्यकर्ताओं ने उससे कान पकड़वाकर उठक–बैठक कराई और माफी मंगवाई। प्रदर्शन के दौरान भीड़ बढ़ने पर सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस बल, पीएसी और ब्लैक कमांडो को बुलाया गया। पुलिस ने धरना स्थल पर फ्लैग मार्च कर स्थिति संभाली। इसी दौरान भाजपा का सेवा संकल्प अभियान के तहत पैदल मार्च कलेक्ट्रेट पहुंचा। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के आमने–सामने आने पर नारेबाजी तेज हो गई। सपा कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के समर्थन में नारे लगाए, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने योगी–मोदी के नारे लगाए। पुलिस ने एहतियातन कलेक्ट्रेट गेट बंद करवाया और भाजपा के मार्च को दूसरे मार्ग से आगे बढ़ाया। मछलीशहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई और इस्तीफे की मांग की। मल्हनी विधायक लकी यादव ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, सपा का आंदोलन जारी रहेगा।

दो–तीन दिन में 10 तालाब होंगे चिह्नित, सरकारी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

आगरा, (संवाददाता)। आगरा कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को डीएम मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला तकनीकी समन्वय समिति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगले दो–तीन दिनों में कम से कम 10 तालाबों को चिह्नित कर कार्य शुरू कराया जाए तथा अति दोहित एवं क्रिटिकल क्षेत्रों के शासकीय व अर्धशासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली अनिवार्य रूप से स्थापित की जाए। डीएम ने वर्षा जल संचयन, तालाबों के पुनर्जीवन, चेकडैम और भूजल स्तर के वैज्ञानिक अध्ययन पर जोर देते हुए जल संरक्षण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ मौके पर जाकर सूखे एवं कम जल वाले तालाबों का स्थलीय निरीक्षण करने और गहराई व जलभराव क्षमता का सटीक आकलन करने को कहा। बैठक में सीडीओ प्रतिभा सिंह, डीडीओ भावना यादव, सीनियर जियोफिजिसिस्ट शशांक शेखर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डीएम ने भौगोलिक रूप से उपयुक्त स्थानों पर चेकडैम बनाकर वर्षा जल को अधिक समय तक रोकने तथा भूजल स्तर में सुधार के लिए प्री–मानसून एवं पोस्ट–मानसून जलस्तर का तुलनात्मक व वैज्ञानिक अध्ययन करने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया कि जल संरक्षण के प्रयासों का परिणाम धरातल पर दिखना चाहिए। संचारी रोग नियंत्रण के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में टास्क फोर्स की बैठक हुई। डीएम मनीष बंसल ने माइक्रो प्लान के अनुसार गतिविधियां चलाने को कहा। उन्होंने जिला व ब्लॉक स्तर पर रोजाना समीक्षा के निर्देश दिए। कहा कि दैनिक प्रगति रिपोर्ट व तस्वीरें व्हाट्सएप ग्रुप में साझा करना अनिवार्य है।

जौनपुर को मिला नया कप्तान - IPS यशवीर सिंह बने SP जौनपुर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी सरकार ने बुधवार दोपहर 20 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर कर दिए .इनमें दस जिलों के कप्तान बदल दिए गए है। जौनपुर के एसएसपी रहे कुंवर अनुपम सिंह को साइड लाइन करते हुए पीएससी मुख्यालय लखनऊ भेजा गया .बस्ती जिले के एसपी यशवीर सिंह को जौनपुर की कमान सौंपी गई। सितंबर माह में जौनपुर के करंजाकला गोलीकांड और एक हत्या के मामलों में पुलिस की लापरवाही सामने आई थी। इसके बाद 10 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करनी पड़ी थी। कई थाना प्रभारियों को बदला गया था। 24 सितंबर को लूट–वसूली के मामलों में दो पुलिसकर्मियों समेत पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। यहां लगातार पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे थे। माना जा रहा है कि इसके चलते ही इन्हें चार्ज पुलिस मुख्यालय भेजा गया है।

सबसे चर्चित रहा सुरेरी लूट कांड

जौनपुर जिले के सुरेरी थाने में 22 सितंबर को दर्ज मामले में वाराणसी के बड़ागांव निवासी राजेंद्र दूबे समेत अन्य को आरोपी बनाया गया था। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित ने आरोप लगाया कि 13 सितंबर को राजेंद्र दूबे ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। वहां सादे कपड़ों में मौजूद तीन–चार लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और उसे गाड़ी में बैठाकर ले गए। आरोप है कि इसके बाद करीब 1.65 लाख रुपए की वसूली की गई और यूपीआई के जरिए रकम वंशनारायन गिरी के खाते में भेजी गई।मामले की जांच के दौरान सुरेरी थाने में तैनात रहे निलंबित सिपाही सत्येंद्र कुमार गौड़ और विष्णु सिंह की भूमिका सामने आने की बात पुलिस ने कही। दोनों को गिरफ्तार किया जा चुका है। तत्कालीन थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह को भी निलंबित किया गया था और उनकी तलाश की जा रही है। लेकिन इसी दौरान थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश सिंह के द्वारा कोर्ट में सरेंडर कर दिया गया था जो उस समय चर्चा का विषय बना था।

पूरा मामला

जलालपुर थाने में 17 सितंबर को दर्ज मुकदमे में संकीत सिंह, विकास और चार अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया था। शिकायत के मुताबिक, 15 सितंबर को पीड़ित को जबरन वाहन में बैठाकर ले जाया गया।मारपीट और जान से मारने की धमकी देकर रुपए मांगे गए। आरोप है कि मोबाइल कब्जे में लेकर यूपीआई के जरिए अलग–अलग खातों में करीब 2.15 लाख रुपए ट्रांसफर कराए गए। एटीएम से रुपए निकाले जाने का भी आरोप है।

पुलिस की दबिश के बाद जलालपुर मामले में नामजद संकीत सिंह और विकास ने 23 सितंबर को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस के मुताबिक, दोनों मामलों में अब तक पांच आरोपियों पर कार्रवाई हो चुकी थी, जिसमें गिरफ्तार और कोर्ट में सरेंडर करने वाले आरोपी शामिल हैं।

एसआईटी दोनों मामलों में कथित वसूली से जुड़े बैंक खातों, यूपीआई लेनदेन, मोबाइल नंबरों और आरोपियों के बीच संपर्क की जांच कर रही थी। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी थी कि कथित तौर पर वसूली गई रकम कहां पहुंची और इसमें अन्य कौन–कौन लोग शामिल थे। पुलिस के अनुसार जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी में 'गोल्डन ऑवर' का महत्व – डॉ. अनुप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सम्मेलन कक्ष में मंगलवार देर शाम साइबर अपराध और डिजिटल सुरक्षा विषय पर बैठक–सह–कार्यशाला आयोजित की गई। विशेषज्ञ सत्र में विधि विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, डेटा गोपनीयता और नए कानूनों की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता साइबर विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के तहत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्ष्यों की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए उनका सुरक्षित संरक्षण, उचित प्रमाणन और तकनीकी प्रक्रिया का पालन जरूरी है। हैश वैल्यू के माध्यम से डिजिटल साक्ष्य की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी उन्होंने उदाहरणों के साथ बताई। डॉ. गिरधर ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि मोबाइल नंबर, बैंक खाते की जानकारी, पहचान–पत्र, पासवर्ड और फोटो जैसी निजी सूचनाओं को साझा करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने मजबूत पासवर्ड, दो–स्तरीय सुरक्षा अपनाने और संदिग्ध लिंक से बचने की सलाह दी। साइबर वित्तीय ठगी के संबंध में उन्होंने कहा कि घटना होने पर घबराने के बजाय तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। पीड़ित को तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। समय पर शिकायत होने पर ठगी की रकम को रोकने या फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। उन्होंने फर्जी बैंक अधिकारी बनकर फोन करने वालों, संदिग्ध संदेशों, नकली क्यूआर कोड, ओटीपी मांगने वालों और सोशल मीडिया पर भेजे जाने वाले संदिग्ध लिंक से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कि बैंक या सरकारी संस्था फोन पर ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं मांगती। कार्यक्रम के अंत में डीटी लॉ इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरधर मिश्रा, विधि विभाग के शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

अग्निशमन मानक के मुताबिक ही हो रामलीला और दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण – एमपी सिंह

अयोध्या।आगामी रामलीला और दुर्गा पूजा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन के साथ अग्निशमन विभाग ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं।अग्निशमन विभाग ने आयोजन समितियों को पंडाल निर्माण में निर्धारित अग्निसुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की है।सीएफओ एमपी सिंह ने बताया कि शहर व ग्रामीण क्षेत्रों मे रामलीला व दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों को वे स्वयं तथा प्रभारी अग्निशमन अधिकारी प्रदीप पांडेय पंपलेट के माध्यम से सुरक्षा संबंधी जागरुक कर रहे हैं। इन अधिकारियों ने समिति के पदाधिकारियों से अपील किया कि पंडाल की ऊंचाई अग्निशमन द्वारा तय किए गए मानक पर,चारों ओर पर्याप्त खुला स्थान छोड़ने, विद्युत लाइन व ट्रांसफार्मर से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा आपात निकासी के लिए पर्याप्त रास्ते रखने पर जोर दिया गया है।उन्होंने बताया कि पंडाल में अग्निशमन उपकरण, पर्याप्त पानी और आपात स्थिति में वैकल्पिक निकासी मार्ग की व्यवस्था जरूरी है।खराब मौसम को देखते हुए पंडालों की मजबूती और विद्युत सुरक्षा पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।साथ ही पंडाल के अंदर भट्ठी के प्रयोग से बचने और विद्युत तारों के खुले जोड़ न रखने की हिदायत दी गई है।सीएफओ ने कहा कि धार्मिक आयोजनों की भव्यता के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।समितियों के सहयोग से सुरक्षित और व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए अग्निशमन विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है।

’नींद में था सफर, मौत बनकर आया ट्रक, तीन टेनिस खिलाड़ियों की मौत’

ब्यूरो चीफ–आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में तीन टेनिस खिलाड़ियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा धनपतगंज थाना क्षेत्र के सुखबड़ेरी के पास करीब साढ़े पांच बजे हुआ। तेज रफ्तार अर्टिगा आगे चल रहे अज्ञात ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। बताया गया कि अर्टिगा में छह टेनिस खिलाड़ी सवार थे। सभी लखनऊ में खेलकर देवरिया लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में कार की रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा होने की बात सामने आई है। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलते ही एसडीएम बल्दीराय प्रभात सिंह, सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार, थानाध्यक्ष बल्दीराय महेंद्र प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष धनपतगंज अंजू मिश्रा और यूपीडा के सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। कार का दरवाजा तोड़कर घायलों को बाहर निकाला गया। सभी को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल तीन खिलाड़ियों को बेहतर उपचार के लिए अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

मृतकों की पहचान देवरिया निवासी नित्या प्रजापति (22), इरफान अंसारी (20) और भागलपुर निवासी अनिकेत (24) के रूप में हुई है। घायलों में आनंद यादव (23), राजू (22) और पश्चिम बंगाल के बीरभूम निवासी जयंतो शर्मा (30) शामिल हैं।

‘टक्कर के बाद खुली नींद, सामने का मंजर देख उड़ गए होश’

घायल खिलाड़ी जयंतो शर्मा ने बताया कि सभी लोग लखनऊ में खेलकर देवरिया लौट रहे थे। यात्रा के दौरान कार में सवार सभी लोग सो रहे थे। अचानक जोरदार टक्कर हुई तो उनकी नींद खुल गई। आंख खुलते ही सामने का मंजर देखकर उनके होश उड़ गए। कार ट्रक में बुरी तरह घुसी थी और साथी खिलाड़ी खून से लथपथ थे। राहगीरों और सुरक्षाकर्मियों ने किसी तरह कार का दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला।

‘ट्रक चालक की तलाश में जुटी पुलिस’

हादसे के बाद अज्ञात ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। एक्सप्रेसवे पर उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य माध्यमों से ट्रक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है।

तेज हवा–बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त,नाले के खुले होल में पलटा ऑटो

अयोध्या।बुधवार को अचानक तेज हवा के साथ हुई बारिश ने नगर निगम की व्यवस्था की पोल खोल दी।तेज हवा के चलते सदर तहसील के सामने दो बाइक सवार अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गए।हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।वहीं तेज हवा बारिश के बाद शहर के कई प्रमुख मार्गों और मोहल्लों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई।फतेहगंज स्थित ऋषि टोला नाले के पास पानी नाले के ऊपर तक पहुंच गया।इसी दौरान नाले का खुला होल हादसे का कारण बन गया।उधर से गुजर रहा एक ऑटो अनियंत्रित होकर नाले में पलट गया। बताया गया कि ऑटो में आधा दर्जन से अधिक लोग सवार थे।ऑटो के नाले में पलटते ही मौके पर अफरा–तफरी मच गई।स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए ऑटो में सवार सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में नगर निगम प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखने को मिला।स्थानीय लोगों का कहना था कि हर बारिश में शहर जलभराव की समस्या से जूझता है,लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वे नगर निगम प्रशासन के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

कर बकायेदारों पर नगर निगम की कार्रवाई, 3.20 लाख रुपये वसूले

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।नगर निगम ने बकाया गृह एवं जलकर की वसूली के लिए कुर्की और कर बकायेदारों के विरुद्ध अभियान चलाया।कर निर्धारण अधिकारी विनय प्रताप सिंह,जोनल अधिकारी सुभाष चंद्र त्रिपाठी एवं कर निरीक्षक वीरेंद्र पटेल के नेतृत्व में टीम ने जयप्रकाश नारायण वार्ड में बकायेदारों के भवनों पर कार्रवाई की। अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान भवन संख्या 9/65/132 पर 1,79,820 रुपये का कर बकाया न मिलने पर कुर्की की कार्रवाई की गई। टीम ने भवन को सील कर दिया। उनके अनुसार कार्रवाई का उद्देश्य लंबे समय से बकाया कर की वसूली सुनिश्चित करना है।अभियान के दौरान दो भवनों से कुल तीन लाख 20 हजार रुपये झकी बकाया कर राशि की वसूली की गई। वहीं, एक अन्य भवन को बकाया राशि जमा न करने पर सील कर दिया गया।इसके अलावा दो भवनों के मामलों में मकान मालिक और किराएदार के बीच विवाद सामने आया। इसको देखते हुए संबंधित बकायेदारों को बकाया कर जमा करने के लिए गुरुवार तक का समय दिया गया है।उन्होंने कहा कि निर्धारित समय में बकाया राशि जमा नहीं किए जाने पर संबंधित भवनों के विरुद्ध नियमानुसार कुर्की एवं सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने करदाताओं से अपील की कि वे समय से गृह एवं जलकर जमा कर नगर निगम की कार्रवाई से बचें।

दीपोत्सव-2026 में दमकेगी रामनगरी, प्रमुख मार्गों से घाट तक दिखेगी आस्था की भव्य तस्वीर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।दीपोत्सव पर दीयों की रोशनी से निखरने वाली रामनगरी इस बार कलात्मक सजावट और रचनात्मक आकृतियों से भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगी। दीपोत्सव–2026 में अयोध्या के प्रमुख चौराहों से लेकर प्रवेश मार्ग, राम कथा पार्क, राम की पैड़ी और सरयू तट तक रामायण की थीम पर भव्य सज्जा नजर आएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इसके लिए व्यापक कार्य योजना तैयार की है। रामनगरी में सजावटी द्वार, वे–फाइंडर, सेल्फी प्वाइंट और मंच के साथ राम रथ व पुष्पक विमान की झलक भी दिखाई देगी। वहीं, सरयू की लहरों पर आकर्षक फ्लोटर्स दीपोत्सव की भव्यता में चार चांद लगाएंगे।दीपोत्सव–2026 के तहत अयोध्या में छह से आठ नवंबर तक विभिन्न आयोजन होंगे।सात नवंबर को दीपोत्सव के मुख्य आयोजन के दौरान रामनगरी के 56 घाटों पर करीब 30 लाख दीये जलाए जाएंगे।श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए करीब 10 प्रमुख स्थानों पर थीम आधारित वे–फाइंडर लगाए जाएंगे।ये प्रमुख प्रवेश मार्गों, चौराहों और आयोजन स्थलों के आसपास होंगे। इनके जरिए लोगों को संबंधित स्थानों की जानकारी और दिशा–निर्देश मिल सकेंगे। साथ ही वर्टिकल स्क्रीन पर भी स्थान संबंधी जरूरी जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। दीपोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए राम कथा पार्क और राम की पैड़ी पर 10–10 आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। हर इंस्टॉलेशन की थीम, डिजाइन और निर्माण शैली अलग होगी।इनमें अयोध्या और दीपोत्सव की झलक कलात्मक अंदाज में नजर आएगी। त्रि–आयामी कलाकृतियां आयोजन स्थलों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ आगंतुकों के अनुभव को भी खास बनाएंगी।इन्हें इस तरह तैयार किया जाएगा कि ये दीपोत्सव–2026 की सजावट का हिस्सा बनने के साथ लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बनें। इसी कड़ी में लता मंगेशकर चौक से राम की पैड़ी मार्ग तक कलात्मक स्थापनाएं (आर्ट इंस्टालेशन) तैयार की जाएंगी। श्दीयों के उत्सवश के सांस्कृतिक आयोजनों के लिए रामकथा पार्क का स्थायी मंच नए कलेवर में नजर आएगा।यहां उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था के साथ एलईडी स्क्रीन, थीम आधारित रंगीन कपड़े आदि का इस्तेमाल होगा।दोनों ओर सीढ़ियां, पुष्प सज्जा, रंगोली, पर्दे और मंच पर बैठने की व्यवस्था भी होगी। मौजूदा ढांचे के अनुरूप ही डिजाइन तैयार किया जाएगा। वहीं, राम कथा पार्क के प्रवेश और निकास को आकर्षक बनाने के लिए सजावटी गेट का निर्माण होगा। प्रत्येक द्वार का डिजाइन भारतीय संस्कृति, पारंपरिक प्रतीकों और रामायण के प्रसंगों पर आधारित होगा। दीपोत्सव–2026 में अयोध्या के प्रवेश मार्गों की तस्वीर इस बार नए रंग–रूप में नजर आएगी। शहर के प्रमुख हाईवे और श्धर्म पथश पर रामायण की थीम से सजे 10 भव्य द्वार तैयार किए जाएंगे। लखनऊ, सुल्तानपुर और रायबरेली की ओर से अयोध्या आने वाले मार्गों के साथ धर्म पथ पर बनने वाले इन द्वारों की सजावट में हर गेट की अलग पहचान होगी। आकर्षक डिजाइन, थीम आधारित सज्जा और रोशनी से सजे ये प्रवेश द्वार श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचते ही दीपोत्सव की भव्यता का एहसास कराएंगे।राम की पैड़ी के निकट पुष्पक विमान थीम पर रोडसाइड इंस्टॉलेशन आकर्षण का केंद्र बनेगा।वहीं रामायण की कथा को जीवंत करते हुए राम रथ और झांकी तैयार की जाएगी। राम की पैड़ी के पास राम दरबार की भव्य प्रस्तुति होगी, जबकि रामकथा पार्क के समीप हेलीपैड क्षेत्र में भरत मिलाप मंच और पाथवे विकसित किए जाएंगे। प्रमुख मार्गों पर फ्लैग पोल लगाकर आयोजन की भव्यता बढ़ाई जाएगी।वहीं, सरयू और राम की पैड़ी पर आकर्षक फ्लोटर्स भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर खींचेंगे।इसके अतिरिक्त, राम रथ, राम दरबार, भरत मिलाप मंच विशेष आकर्षण होंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्दीपोत्सव–2026 में अयोध्या की भव्यता के साथ उसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी नए रचनात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा।रामायण की थीम पर होने वाली सजावट, कलात्मक स्थापनाएं और प्रकाश व्यवस्था श्रद्धालुओं व पर्यटकों को रामनगरी के दिव्य और भव्य स्वरूप का नया अनुभव कराएंगी। हमारा प्रयास है कि दीपोत्सव की आभा अयोध्या आने वाले हर व्यक्ति के मन में अविस्मरणीय छाप छोड़े।अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि श्दीपोत्सव–2026 में अयोध्या की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आधुनिक रचनात्मकता के साथ भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। रामायण की थीम पर तैयार सजावटी द्वार, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट और मनमोहक प्रकाश सज्जा श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी। उन्होंने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों के किनारे रामायण के विभिन्न कांडों और प्रसंगों पर आधारित आकर्षक स्थापनाएं तैयार की जा रही हैं। इनमें लंका कांड समेत रामायण के प्रमुख प्रसंगों को बेहद सरल भाषा में एक–एक पंक्ति के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों और नई पीढ़ी को रामायण की कथाओं से सहजता से जोड़ना है, ताकि दीपोत्सव केवल रोशनी और उत्सव तक सीमित न रहकर संस्कृति, संस्कार और ज्ञान का भी माध्यम बने।

सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़े देश की विकास योजनाओं की मजबूत आधारशिला – एडीएम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।भारत की जनगणना–2027 के द्वितीय चरण के सफल एवं सुचारु संचालन के लिए जनपद अयोध्या में फील्ड ट्रेनर के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, मसौधा विकास खण्ड परिसर, डाभासेमर, अयोध्या में अपर जिलाधिकारी (वि०रा०)/जिला जनगणना अधिकारी व अपर नगर आयुक्त, नगर निगम सुमित कुमार, व डिप्टी कलेक्टर/अपर नगर मजिस्ट्रेट, अयोध्या श्रीमती पूजा चौधरी द्वारा किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के कुल 98 फील्ड ट्रेनरों में से कुल 66 फील्ड ट्रेनर्स को दो बैचों में चार मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिनांक 07.10.2026 व 08.10.2026 तथा 09.10.2026 को (प्रथम स्लॉट/बैच) एवं कुल 32 फील्ड ट्रेनर्स का दिनांक 14.10.2026 व 15.10.2026 तथा 16.10.2026 को (द्वितीय स्लॉट/बैच) तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस दौरान फील्ड ट्रेनरों को जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत किए जाने वाले जनसंख्या गणना कार्य की प्रक्रिया, ऐप आधारित डिजिटल गणना, प्रश्नावली भरने, सूचनाओं के सही संकलन एवं सत्यापन सहित जनगणना कार्य से जुड़ी विभिन्न बारीकियों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी (वि०रा०)/जिला जनगणना अधिकारी, अयोध्या ने कहा कि जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय स्थिति का प्रामाणिक आधार उपलब्ध कराने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है।जनगणना से प्राप्त सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़ों के आधार पर ही सरकार विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के बेहतर नियोजन एवं विकास कार्यों की प्राथमिकताएं निर्धारित करती है।उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनरों से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य की प्रत्येक प्रक्रिया और बारीकी को गंभीरता से समझें,ताकि फील्ड स्तर पर गणना कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य की सफलता काफी हद तक फील्ड ट्रेनरों एवं प्रगणकों की दक्षता पर निर्भर करेगी।इसलिए प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी को पूरी तरह आत्मसात करते हुए फील्ड में कार्यरत कार्मिकों को भी स्पष्ट एवं व्यवहारिक रूप से प्रशिक्षित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य में समयबद्धता, शुद्धता, गोपनीयता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त, नगर निगम ने कहा कि जनगणना का कार्य व्यापक स्तर पर किया जाना है, इसलिए सभी संबंधित कार्मिक अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता से समझते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण कराएं। प्रशिक्षण हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर /अपर नगर मजिस्ट्रेट श्रीमती पूजा चौधरी ने भी प्रशिक्षण की उपयोगिता एवं जनगणना कार्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रशिक्षुओं से प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उप निदेशक जनगणना/जिला प्रभारी श्री शैलेन्द्र यादव ने बताया कि जनगणना–2027 के अंतर्गत जनपद में फील्ड स्तर पर जनसंख्या गणना का कार्य 01 दिसंबर 2026 से 04 जनवरी 2027 तक संपादित किया जाएगा। इस दौरान प्रगणकों द्वारा प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति से निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार कुल 40 प्रश्नों के माध्यम से आवश्यक जानकारी प्राप्त की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनरों को जनगणना प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक दिशा–निर्देशों के साथ–साथ डिजिटल माध्यम से आंकड़ों के संकलन एवं फीडिंग की प्रक्रिया से भी अवगत कराया जाएगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय के प्रतिनिधि प्रियंका मीणा व समस्त मास्टर ट्रेनर, नामित फील्ड ट्रेनर व जनगणना सहायक सहित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

प्रदेश महासचिव ने किया रेड क्रॉस कार्यालय का औचक निरीक्षण

‘ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘शाहजहांपुर’ इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रदेश महासचिव रामानंद कटियार ने जनपद में स्थित रेडक्रॉस कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के

तहत नहीं था। उसी दिन कुछ समय पूर्व दूरभाष से सूचना मिलने के बाद प्रदेश महासचिव कार्यालय पहुंचे और संस्था की गतिविधियों, कार्यालयीय व्यवस्थाओं, अभिलेखों तथा सेवा कार्यों की जानकारी ली।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की प्रदेश अध्यक्ष महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा प्रदेश सभापति/उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के मंशानुसार रेड क्रॉस को और अधिक सक्रिय एवं जनोपयोगी बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के क्रम में यह औचक निरीक्षण महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर सचिव डॉ. विजय जौहरी ने प्रदेश महासचिव का रेड क्रॉस की माला, मेडल, पुष्पमाला एवं शॉल ओढ़ाकर तथा जनपद रेड क्रॉस का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

प्रदेश महासचिव ने कहा कि प्रदेश की सक्रिय रेड क्रॉस शाखाओं में शाहजहाँपुर की गतिविधियाँ अग्रिम पंक्ति में दिखाई देती हैं। उन्होंने इसका श्रेय सचिव डॉ. विजय जौहरी की सक्रियता एवं सेवा भावना को दिया। उन्होंने संस्था को और अधिक व्यवस्थित, सक्रिय एवं सुसज्जित ढंग से संचालित करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान रेड क्रॉस के कोष से किए गए व्यय, लाभार्थियों को दी गई सहायता तथा संबंधित कार्रवाई के अभिलेखों की जानकारी ली गई। उपलब्ध ऑडिट रिपोर्ट एवं दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए उन्होंने वित्तीय पारदर्शिता और अभिलेखों के समुचित सरक्षण पर जोर दिया तथा कहा कि प्रत्येक व्यय एवं सेवा कार्य का आवश्यक दस्तावेज और कार्रवाई विवरण सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि संस्था के धन का उपयोग रेड क्रॉस के नियमों एवं मानवीय सेवा के उद्देश्यों के अनुरूप सुनिश्चित रहे। निरीक्षण के बाद उन्होंने स्थानीय रेड क्रॉस पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बैठक कर संस्था की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने समय–समय पर नियमित बैठकें आयोजित करने, निर्धारित एजेंडे के अनुसार कार्ययोजना बनाने तथा प्रत्येक कार्रवाई को अभिलेखों में दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनपद में होने वाले मानवीय सेवा कार्यों में प्रदेश मुख्यालय हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार प्रदेश स्तर से कंबल, हाइजीन किट एवं अन्य राहत सामग्री उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। बाढ़, आपदा अथवा अन्य आपात परिस्थितियों में प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रदेश मुख्यालय और जनपद रेड क्रॉस के बीच समन्वय को और मजबूत किया जाएगा।

प्रदेश महासचिव ने रेड क्रॉस कार्यालय के कमरों की रंगाई–पुताई, सीलन एवं भवन की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। इस पर सचिव डॉ. विजय जौहरी ने बताया कि उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को पत्र देकर कार्यालय की रंगाई–पुताई एवं सीलन के निराकरण का अनुरोध किया है, जिस पर मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय ने सकारात्मक सहमति व्यक्त करते हुए अग्रिम कार्रवाई के सम्बंधित अधिकारीयों को निर्देश दिए हैं। डॉ. जौहरी ने बताया कि पूर्व में रेड क्रॉस के पास छोटा कार्यालय था, जबकि वर्तमान मुख्य चिकित्साधिकारी के प्रयास एवं सहयोग से संस्था को बड़ा कार्यालय उपलब्ध हुआ है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी के सहयोग की सराहना प्रकट करते हुए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन के सहयोग से रेड क्रॉस की सेवा गतिविधियों को और बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिल रही है।

प्रदेश महासचिव ने रेड क्रॉस के कोष का उपयोग किए बिना सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए डॉ. विजय जौहरी की पहल की भी सराहना की।

बैठक में रेड क्रॉस प्रबंध समिति के सदस्य डॉ. संजीव कनोजिया, डॉ. दीपा दीक्षित, डॉ. एस.पी. कोशल ,अनुज जौहरी, आजीवन सदस्य सर्वेश पाल, अवनीश सक्सेना, स्वमसेवक बृजेश गुप्ता, शांति प्रकाश अवस्थी, पृथ्वीराज चौहान सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में डॉ विजय जोहरी ने सभी का आभार प्रकट किया।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल उत्तीर्ण वर्ष –2006 अनुक्रमांक 1569984 , राजकीय बालिका इन्टर कालेज, प्रतापगढ का अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र मूल रूप में जो कि जौनपुर से प्रयागराज आते समय वास्तव में कहीं खो गया है, जिस किसी को भी मिले वो मुझे मेरे निम्न पता और मोबाइल नंबर पर सूचित करने का कृपा करें।

निवेदक– प्रज्ञा द्विवेदी
पुत्री श्री राम मणि द्विवेदी
पता–41F/15F/2 माधोपुर पड़ी, खरकोनी, नैनी, पोस्ट– प्रयागराज
पिन–211008, उत्तर प्रदेश
मोबाइल नंबर–9473986173

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।